

नजावट कर रहे हैं।

से लगे हुए हैं।

मिट्टी जांच से तय होगी खाद की मात्रा स्कूल में हुआ जागरूकता कार्यक्रम



भास्करन्यूज़ | बागडोहरी

पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय, सुद्राक्षीपुर में नेशनल मिशन ऑन सॉयल हेल्थ एंड फर्टिलिटी के तहत विद्यालय मृदा स्वास्थ्य कार्यक्रम हुआ। उद्देश्य छात्रों में मृदा स्वास्थ्य, मृदा परीक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग को लेकर वैज्ञानिक सोच विकसित करना रहा। कृषि विज्ञान केंद्र, जामताड़ा के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. संजय

कुमार ने मिट्टी की उर्वरशक्ति, पोषक तत्वों की भूमिका, मृदा परीक्षण की जरूरत पर जानकारी दी। आत्मा के उप परियोजना निदेशक संजय कुमार सिंह ने कहा कि ज्यादा उर्वरक डालना ही अच्छी फसल की गारंटी नहीं है। खेत की मिट्टी की जांच से पता चलता है कि किस पोषक तत्व की कमी है। किस उर्वरक की कितनी मात्रा जरूरी है। इससे बेवजह उर्वरक

खर्च घटता है। मिट्टी की गुणवत्ता पर दबाव कम होता है। विशेषज्ञों ने कहा कि मिट्टी में पोषक तत्वों का असंतुलन फसल उत्पादन को प्रभावित करता है। मिट्टी की संरचना बिगड़ सकती है। गुणवत्ता भी खराब हो सकती है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक गौरी शंकर यादव ने कहा कि स्कूल स्तर पर ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों में खेती, पर्यावरण को लेकर समझ बढ़ती है।

संस्कार में संस्कार मात्र संस्कारों में